Excerpts from Prime Minister, Narendra Modi's Mann Ki Baat Radio Address

मेरे प्यारे देशवासियों, हमें आधुनिक भारत बनाना है। हमें ट्रांसपेरेन्ट भारत बनाना है। हमें बहुत सी व्यवस्थाओं को भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक समान रूप से पहुँचाना है, तो हमारी पुरानी आदतों को भी थोड़ा बदलना पड़ेगा। आज मैं एक ऐसे विषय पर स्पर्श करना चाहता हूँ, जिस पर अगर आप मेरी मदद करें, तो हम उस दिशा में सफलतापूर्वक आगे बढ़ सकते हैं। हम सबको मालूम है, हमें स्कूल में पढ़ाया जाता था कि एक ज़माना था, जब सिक्के भी नहीं थे, नोट भी नहीं थे, बारटर सिस्टम हुआ करता था कि आपको अगर सब्जी चाहिए, तो बदले में इतने गेहूँ दे दो।

आपको नमक चाहिए, तो बदले में इतनी सब्जी दे दो। बारटर सिस्टम से ही कारोबार चलता था। धीरे-धीरे करके मुद्रा आने लगी। कॉईन आने लगे, सिक्के आने लगे, नोट आने लगे। लेकिन अब वक्त बदल चुका है। पूरी दुनिया केशलेश सोसाइटी की तरफ़ आगे बढ़ रही है। इलैक्ट्रोनिक टेक्नोलॉजिकल व्यवस्था के द्वारा हम रूपये पा भी सकते हैं, रूपये दे भी सकते हैं। चीज़ खरीद भी सकते हैं, बिल चुकता भी कर सकते हैं। और इससे जेब में से कभी बटुए की चोरी होने का तो सवाल ही नहीं उठेगा। हिसाब रखने की भी चिंता नहीं रहेगी, आॅटोमेटिक हिसाब रहेगा।

शुरूआत थोड़ी कठिन लगेगी, लेकिन एक बार आदत लगेगी, तो ये व्यवस्था सरल हो जायेगी। और ये संभावना इसलिए है कि हमने इन दिनों जो 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' का अभियान चलाया, देश के क़रीब-क़रीब सभी परिवारों के बैंक खाते खुल गए। दूसरी तरफ आधार नंबर भी मिल गया और मोबाइल तो क़रीब-क़रीब हिन्दुस्तान के हर हिन्दुस्तानी के हाथ में पहुँच गया है। तो 'जन-धन', 'आधार' और 'मोबाइल'- (जे ऐ एम), ' जे.ऐ.एम